रुन्झ नदी में यूपी-एमपी की टीम ने किया सीमांकन

नवभारत न्यूज

अजयगढ़/पन्ना, 19 फरवरी। अजयगढ़ तहसील की धरमपुर क्षेत्र में बहने वाली रुन्झ नदी में अमरछी ग्राम के पास उत्तर प्रदेश के रेत माफियाओं द्वारा अवैध उत्खनन किया जा रहा था जिस पर एसडीएम आलोक मार्को, तहसीलदार सुरेंद्र कुमार, खनिज, पुलिस ने संयुक्त रूप से 10 फरवरी को छापामार कार्यवाही की थी।

जिसमें चार एलएनटी मशीन है एवं तीन डंपर जप्त किए गए थे परंतु मौके पर उत्तर प्रदेश के अधिकारी भी पहुंच गए थे उन्होंने कहा कि दो एलएनटी मशीन और तीन डंपर उत्तर प्रदेश की सीमा पर है जिसको मध्य प्रदेश के अधिकारियों द्वारा जप्त करके सुपुर्दगी में दे दी गई थी दो एलएनटी मशीन पकड कर खोरा चैकी में रखवाई गई थी तब सीमा विवाद उत्पन्न हुआ था दोनों प्रदेशों के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से अमरछी के पास रुन्ज नदी का सीमांकन की बात हुई थी। अजयगढ़ तहसीलदार सुरेंद्र कुमार द्वारा रून्ज नदी के सीमांकन के लिए आदेश करके एक दल गठित किया था।

जिस दल में धनीराम अहिरवार नायब तहसीलदार, सुनील अहिरवार, दीपेंद्र तिवारी, लखन कोरी, प्रवीण पांडे का दल बनाकर 19 फरवरी को सीमांकन के लिए एमजी गांव भेजा गया। उत्तर प्रदेश की ओर से नरैनी तहसीलदार, नरैनी थाना प्रभारी, करतल चैकी प्रभारी सहित राजस्व पुलिस अमला उपस्थित हुआ। संयुक्त टीम के द्वारा ग्राम अमरछी में रुन्झ नदी का सीमांकन किया गया जिसमें नदी में मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश की सीमाएं चिन्हित की गई विधिवत दोनों प्रदेशों के नक्शे से मिलान कर जरीब से नाप कर सीमांकन किया गया पंचनामा बनाया गया सीमांकन की रिपोर्ट प्रतिवेदन अपने-अपने प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों को सोपा गया सीमांकन से यह साफ हो गया कि उत्तर प्रदेश के रेत माफिया की दखलअंदाजी मध्य प्रदेश की रेत में बंद होगी दोनों की सीमाओं में झंडे गाड़े गए और दोनों प्रदेश के राजस्व अधिकारी सीमांकन से संतुष्ट रहे।

इनका कहना हैं

उत्तर प्रदेश के रेत माफिया के द्वारा मध्य प्रदेश की रुन्झ नदी की सीमा में अवैध उत्खनन करने पर कार्यवाही की जाएगी सीमांकन से सीमा चिन्हित हो गई रुन्झ नदी में उत्तर प्रदेश का अवैध उत्खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सुरेंद्र कुमार
तहसीलदार अजयगढ़।

शहर में बिल्डिंगों में लगे टॉवरों से हो सकता है बड़ा हादसा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 19 फरवरी। शहर के कई स्थानों सहित बडी-बडी बिल्डिंगों पर मोबाईल टावर लगाये जाने से हमेशा खतरा बना हुआ है। विभिन्न मोबाइल कम्पनियां अपना नेटवर्क और फेलाने के लिए विभिन्न स्थानों पर अपने अपने मोबाइल टावर लगाए हुए हैं। टॉवर लगाने के लिए मूलभूत नियमों को दरकिनार किया जा रहा है।

मोबाइल टावर को लेकर देश के कुछ स्थानों पर जरूर हायतौबा मची हो, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र और तहसील के कई कस्बाई इलाकों में विभिन्न मोबाईल कम्पनियां नेटवर्क का जाल फैलाने के लिए तेजी से काम कर रही हैं। मोबाइल टॉवर के लिए आवश्यक शर्तों के मापदण्ड दरकिनार हैं। तेजी से बढ. रही सन्चार क्रान्ति के लिए दर्जनों टेलीकॉम कम्पनियां हर आबादी वाले क्षेत्र में व्यावसायिक तौर पर सेल्युलर नेटवर्क उपलब्ध कराने के लिए ऊंचे-ऊंचे मोबाइल टॉवर लगा रखे हैं। अधिकांश मोबाइल टॉवर पर्याप्त सुरक्षा सम्बन्धी मानदण्डों को दरकिनार कर लगाया जा गये है। कभी भी कोई हादसा जानमाल के लिए काफी नुकसानदेह हो सकता है। सघन आबादी और रहवासी इलाके में कई मंजिलों की छतों पर लगे मोबाइल टॉवर तेज आंधी से कभी भी बडे हादसे का कारण बन सकते हैं। उनमें सुरक्षा एवं अन्य मानकों की अनदेखी की गई है।

स्थिति यह है कि अगर कोई भी हादसा हो गया तो आसपास के निर्माण और सघन आबादी की वजह से फायर ब्रिगेड या सुरक्षा सम्बन्धी वाहन भी नहीं जा सकेंगे। तेज आंधी से उच्चदाब वाली बडी लाइनों के बडे टॉवर और विद्युत खम्भे धराशायी हो सकते हैं। शहर में अनेक टॉवर भवनों पर लगे हैं, जबकि नियमानुसार रिहायशी इलाकों में टॉवरों नहीं लगाए जाने चाहिए। नौ मीटर की चैडी सडक पर टॉवरों के लिए नगरपालिका और अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना जरूरी होता है। सर्वाधिक टॉवर टिकुरिया मोहल्ला, वेनीसागर मोहल्ला, कटरा बाजार एवं इंद्रपुरी में आशंका है।

इन्फेक्शन की आशंका

मोबाइल टॉवर के आसपास रहने वाले व्यक्तियों के लिए टावर से उत्सर्जित होने वाले विकरण चुम्बकीय तरंगे उनके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती हैं। व्यक्ति कैंसर, ब्रेन ट्यूमर से पीडि.त हो सकता है गर्भवती महिलाएं या ऐसे मरीज जिन्हें पेसमेकर लगा है उनकी तबियत बिगड. सकती है। इस मामले पर गठित अन्तर्राष्ट्रीय आयोग के अनुसार उत्सर्जित विद्युत चुम्बकीय तरंगों की तीव्रता का माप 450 माइक्रो वॉट सेमी वर्ग से ज्यादा नहीं होना चाहिए। यदि तीव्रता बढ .ती है तो वह कभी मानव स्वास्थ्य के लिए घातक हो सकते हैं।

मानव शरीर होता है प्रभावित

टॉवर से इलेक्ट्रोमैगेनटिक रेडिएशन विकरण किरणें निकलती हैं, जो मस्तिक और ह्रदय के लिए घातक हैं। मोबाईल टॉवर से निकलने वाले रेडियोधर्मी विकरण किरणें कैंसर और ब्रेन ट्यूमर को बढावा दे सकती हैं। गर्भवती महिलाओं के लिए यह कष्टप्रद हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि वे व्यक्ति जो मोबाईल टॉवर के 400-500 मीटर के इर्दगिर्द रहते हैं उन्हें रेडियोधर्मी बीमारी की जांच करा लेना चाहिए।

जनपद पंचायतों के अधिकारियों के संरक्षण में मालामाल हो रहे वेण्डर

नवभारत न्यूज

पन्ना 19 फरवरी। जिले के विभिन्न जनपदों में भले ही कई वेण्डर पंजीकृत हो किंतु मालामाल वेण्डर वहीं होता जिसके ऊपर जनपद के अफसरों का सरंक्षण होता है अथवा वहां के कुछ खास दलाल कर्मचारियों का संरक्षण होता है।

दूसरे शब्दों में कहें तो यह भी माना जा सकता है कि पंचायतों मे विभिन्न योजनाओं की राशि को हजम करने के लिए कुछ ऐसे वेण्डरों को तैयार किया जाता है जिनके माध्यम से करोड़ों रूपये की राशि उनके खातों में ट्रांसफर होती रहती है। किंतु उन वेण्डरों के खिलाफ कभी कोई कार्रवाई नही हो पाती।

कई पंचायतों तक लंबी पहुंच:- पंचायतों को फर्जी बिल जारी करने वाले वेण्डरों की पहुंच कोई दो पंचायतों तक नहीं होती। बल्कि जनपदों की कई पंचायतों तक होती है यह सब अकेले वेण्डर नहीं कर सकता बल्कि उसके पीछे कोई ऐसी ताकत होती है जो बैकडोर से पूरा खेल करती है जबकि करोड़ों का कारोबारी वेण्डर तो डमी रूप में तैयार किया प्रतीक मात्र होता है। यही कारण है कि ऐसे वेण्डरों के नाम पर फिर कई पंचायतों में नेटवर्क तैयार हो जाता है। कई ऐसे पंचायतें होगी जिन्हें यदि खातों की राशि को बिना काम के ही आहरित कर हजम करने के लिए कह दिया जाय तो तैयार न होंगी। जरूरी केवल यही है कि उनकी शर्ते पूरी होनी चाहिए। किसे कितना कमीशन मिलेगा, जब इसकी फिक्सिंग हो जायेगी तो फिर कागज में काम पूरे लगते हैं, सप्लाई होने लगती है जनता को पता ही नहीं चलता कि कितनी सड़कें कागजों में बनकर पूरी हो चुकी है, 90 प्रतिशत से भी अधिक व्यय से भी अधिक व्यय होने के बाद बताया जा रहा है कि काम प्रगति पर है। कितनी पंचायतों के कार्यो की फोटो पोर्टल में चस्पा की जाती है। फर्जी व कागजी प्रगति तो अपने आप बोलती है। किंतु जब तक जनता को पता चलता है तब तक तो गेंद बाउण्ड्री पार होती है। भ्रष्टाचारियों का आर्थिक सशक्तीकरण हो चुका होता है वे हर स्तर से अपनी लडाई को लडने के लिए सक्षम हो चुके होते हैं।

एक बार पंचायतों में प्रवेश हो गया तो फिर मैदान भी मिल जाता है, और भविष्य को लेकर भी तैयार रहती है इस तरह से कहा जा सकता है वेण्डरों के माध्यम से जो लूट हो रही है वह एक ऐसा गिरोह है बाहर आ सकते हैं। अन्यथा ग्रामीण विकास में होने वाले घोटाले को नहीं रोका जा सकता है चाहे जितनी नोटिस जारी होती रहे और जितनी भी जांचे होती रहे।

आज तक नहीं हुई कार्रवाई

किसी भी वेण्डर के खिलाफ विभागीय स्तर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। आज तक किसी भी जनपद सीईओ की जांच में, आरईएस की तकनीकों जांच में, जिला पंचायत स्तर की जांच में में वेण्डरों पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया। जबकि वेण्डर से ही अनियमितता का रास्ता खुलता है। फर्जी बिल वेण्डर के माध्यम से ही जारी होते है। करोड़ों का आनलाईन या ऑफलाईन आहरण वेण्डरों के ही खातों किया जाता है। इसके बाद फिर उसकी निकासी कर बंटवारा किया जाता है। यदि वेण्डर की जांच हो जाय, उसकी हैसियत की जांच हो जाय, उसके दुकान, स्टोर आदि की जांच सत्यापन हो जाय तो पता चलेगा कि जिन वेण्डरों के नाम पर करोड़ों की राशि ट्रांसफर हो रही है उसके पास तो सप्लाई के नाम पर सामग्री ही नहीं उपलब्ध नहीं है, उसके पास इस बात के भी प्रमाण नहीं मिले कि वह सप्लाई करने के लिए सामग्री कहां से परचेज कर रहा था। उसके पास जीएसटी के रिटर्न भरने का भी रिकार्ड नहीं मिलेगा। उसके पास यदि मिलेगा तो केवल बिल जारी करने वाला फर्जी बिल बुक जिसके माध्यम से वह करोड़ों का खेल कर लेता है।

कर्मचारियों को वन्यप्राणी प्रबंधन रिफ्रेशर कोर्स कराया गया

नवभारत न्यूज

पन्ना 19 फरवरी। वन्यप्राणी प्रबंधन रिफ्रेशर कोर्स पन्ना टाइगर रिजर्व के परिक्षेत्र हिनौता अन्तर्गत दिनांक 18 एवं 19 फरवरी क्षेत्रीय वनमण्डल (उत्तर/दक्षिण) पन्ना से आये 30 कर्मचारियों को पार्क भ्रमण, बाघ गणना, गिद्ध गणना, घास मैदान प्रबंधन, हाथियों का प्रबंधन, वन्यप्राणियों के रेस्क्यू कार्य, कैमरा ट्रेपिंग, आदि विषयों पर वन्यप्राणियों के प्रबंधन संबंधी रिफ्रेशर कोर्स कराया गया।

जिसमें पन्ना टाइगर रिजर्व के परिक्षेत्र अधिकारी हिनौता, परिक्षेत्र सहायक, फील्ड बायोलॉजिस्ट रिफ्रेशर कोर्स में उपस्थित रहे एवं दिनांक 19 फरवरी को सभी कर्मचारियों से फीडबैक - पत्र लेते हुये प्रमाण-पत्र, स्मृति उपहार देकर समापन किया गया।

जिला स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता में चयनित विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

नवभारत न्यूज

पन्ना 19 फरवरी। राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशानुसार विगत दिवस ओलंपियाड 2025-26 की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर चयनित छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

कलेक्टर ऊषा परमार ने गत बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में इन विद्यार्थियों का सम्मान किया। इस मौके पर प्रत्येक छात्र-छात्राओं को ट्रैक सूट, कैप, बैग, पानी की बॉटल, टिफिन, जोमेट्री बॉक्स, प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। जिला कलेक्टर ने मेधावी विद्यार्थियों को बधाई व शुभकामनाएं प्रदान कर उत्साहवर्धन किया। साथ ही अध्ययन की निरंतरता बनाए रखने और प्रतियोगिताओं की बेहतर तैयारियों के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। डीपीसी अजय कुमार गुप्ता द्वारा विद्यार्थियों के परिश्रम और शिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना की गई। उपस्थित समस्त छात्र-छात्राओं, मार्गदर्शी शिक्षकों व अभिभावकों को बधाई देकर उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

इस दौरान कक्षा 2 एवं 3 के हिंदी, अंग्रेजी एवं गणित, कक्षा 4 एवं 5 के हिंदी, अंग्रेजी, गणित व पर्यावरण तथा कक्षा 6 से 8 के हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान विषयों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी छात्र-छात्राओं का सम्मान हुआ।

कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी रविप्रकाश खरे सहित मार्गदर्शी शिक्षक और अभिभावकगण भी उपस्थित रहे।

सिंघानिया इंस्टीट्यूट के प्रशिक्षुओं का प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन

नवभारत न्यूज

पन्ना 19 फरवरी। इंडिया स्किल कम्पटीशन 2025-26 का क्षेत्रीय स्तर का आयोजन गांधीनगर गुजरात में 15 फरवरी से 18 फरवरी तक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

प्रतियोगिता का शुभारंभ 15 फरवरी को केंद्रीय मंत्रिमंडल के मंत्री जयंत चैधरी कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री द्वारा किया गया। 16 एवं 17 फरवरी को आयोजित इस क्षेत्रीय प्रतियोगिता में कुल 63 विभिन्न स्किल्स पांच राज्यो(राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र एवं गोआ) के कुल 300 से भी अधिक प्रतिभागियों ने अपनी दक्षता का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में यदुपति सिंघानियां इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी अमानगंज पन्ना के प्रशिक्षुओं ने मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। संस्थान के प्रतिभागियों ने ब्रिकलेयिंग, रिन्यूवल एनर्जी और वाल एंड फ्लोर टाइलिंग में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में संस्थान के प्रशिक्षु अजय अहिरवार ने ब्रिक लेयिंग प्रतियोगिता ट्रेड में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। नेपाल सिंह ने वॉल एवं फ्लोर टाइलिंग ट्रेड में स्वर्ण पदक अर्जित किया। स्वर्ण पदक विजेता प्रतिभागियों को गुजरात सरकार के कौशल मंत्रालय की ओर से प्रोत्साहन स्वरूप 75,000/- का चेक प्रदान किया गया। संस्थान के प्राचार्य मनीष कुमार बुनकर ने जानकारी देते हुए बताया कि यह उपलब्धि न केवल संस्थान बल्कि मध्य प्रदेश राज्य के लिए भी गर्व का विषय है। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों एवं प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लेखा प्रशिक्षण शाला में प्रशिक्षण सत्र एक अप्रैल से प्रारंभ होगा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 19 फरवरी। लेखा प्रशिक्षण शाला सागर का आगामी 115वां नियमित लेखा प्रशिक्षण सत्र 1 अप्रैल से 30 जून तक संचालित होगा।

प्रशिक्षण में सम्मिलित होने के इच्छुक सागर संभाग अंतर्गत सभी जिलों के लिपिकवर्गीय शासकीय कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने आवेदन पत्र तीन मूल प्रतियों में कार्यालय प्रमुख से अभिप्रमाणित कराकर लेखा प्रशिक्षण शाला सागर में 16 मार्च तक अनिवार्य रूप से जमा करें। प्रवेश हेतु म.प्र. शासन वित्त विभाग के अनुसार वही लिपिकवर्गीय शासकीय कर्मचारी पात्र होंगे, जिन्होंने सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण की हो अथवा नियमानुसार छूट प्राप्त हो। आवेदन पत्र के साथ अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र अभिप्रमाणित कर संलग्न करना आवश्यक है। साथ ही शासकीय कर्मचारी की परिवीक्षा अवधि पूर्ण होना भी अनिवार्य रखा गया हैं। आवेदन पत्र पर कर्मचारी का पासपोर्ट साइज फोटो चस्पा कर कार्यालय प्रमुख द्वारा अभिप्रमाणित किया जाना आवश्यक होगा। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के कर्मचारियों को जाति प्रमाण पत्र भी कार्यालय प्रमुख से सत्यापित कर संलग्न करना होगा।

निर्धारित प्रारूप में आवेदन तीन प्रतियों में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। म.प्र. शासन वित्त विभाग के निर्देशानुसार स्थानीय निकाय एवं अर्द्धशासकीय संस्थाओं के लिपिकवर्गीय कर्मचारी, जिनकी परिवीक्षा अवधि पूर्ण हो चुकी है, वे भी प्रशिक्षण हेतु पात्र होंगे। ऐसे कर्मचारियों को प्रशिक्षण शुल्क 5 हजार रूपए का चालान सत्र में प्रवेश के समय अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के लिए स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 19 फरवरी। छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य डॉ एस डी चतुर्वेदी के संरक्षण एवं भारतीय ज्ञान परंपरा की संयोजक डॉ शुभम पाठक के निर्देशन में संपन्न हुआ।

विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्लोगन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व से परिचित कराना तथा सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और तनाव मुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना रहा। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्व भाग लेते हुए रचनात्मक एवं प्रेरणादायी स्लोगन लिखे। प्रतिभागियों ने अपने संदेशों के माध्यम से यह दर्शाया कि मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही आवश्यक है। इसके लिए संवाद,सहयोग तथा आत्म देखभाल जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान निर्णायक मंडल ने भाषा की प्रभावशीलता, संदेश की स्पष्टता तथा रचनात्मकता के आधार पर प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रभारी डॉ पियूषा शर्मा एवं सुखदेव कुशवाहा रहे।

वन एवं राजस्व सीमा विवाद का हो सकेगा प्रभावी निराकरण

पन्ना 19 फरवरी। अब पन्ना विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वन एवं राजस्व सीमा विवाद का प्रभावी निराकरण संभव हो सकेगा। इस संबंध में विधायक द्वारा म.प्र. विधानसभा के सत्र में ध्यानाकर्षण के माध्यम से राजस्व मंत्री से वन व्यवस्थापन अधिकारी के रूप में डिप्टी कलेक्टर नियुक्त करने की मांग की गई थी। इसके अलावा जिला कलेक्टर के पत्र के माध्यम से भी राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव को अवगत कराया गया था। अब विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा भी वन व्यवस्थापन अधिकारी की तत्काल नियुक्ति के संबंध में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

अजयगढ़/पन्ना 19 फरवरी। तहसील कार्यालय अजयगढ़ में सीधी जिले में पुजारी इंद्रभान द्विवेदी की निर्मम हत्या किए जाने पर आक्रोशित सर्व समाज के प्रमुख लोगों ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार सुरेंद्र को दिया।

इस अवसर पर श्री राम पाठक ब्राह्मण एकता, दादूराम मिश्रा, जन्मेजय अर्जरिया, दशरथ गुप्ता, दिनेश रावत, भवानीदीन, अशोक शुक्ला, बैजनाथ यादव, लखन लाल यादव, पुरुषोत्तम रैकवार, हरि शरण सिंह लोधी, संतराम मिश्रा, मोहम्मद महबूब सहित सर्व समाज के कई लोग उपस्थित रहे। तहसील कार्यालय मे ज्ञापन देने के बाद सर्व समाज के लोग थाना अजयगढ़ में भी पहुंचे और थाना प्रभारी हरि सिंह ठाकुर से मुलाकात करके अजयगढ़ थाना अंतर्गत मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था और पुजारी की सुरक्षा को लेकर के भी एक ज्ञापन दिया।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में शत प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित कराएं : अनुराग

नवभारत न्यूज

पन्ना ,19 फरवरी। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश कलेक्टरों को दिए हैं। उन्होंने कहा है कि बच्चों को प्राथमिक स्तर की शिक्षा मुहैया कराना आवश्यक है। इसके लिए आंगनबाड़ी केन्द्रों में शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित होना चाहिए।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति के संबंध में शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग संयुक्त रूप से कार्य करें। उन्होंने कहा कि अप्रैल माह से चालू होने वाले नवीन शिक्षा सत्र में शत प्रतिशत छात्र-छात्राओं को स्कूलों में प्रवेश दिलाने के लिए कार्ययोजना तैयार करें। स्कूलों में प्रवेश से वंचित छात्र-छात्राओं की संख्या नगण्य हो। इसके सतत प्रयास किए जाएं तथा शैक्षणिक कैलेंडर का पालन सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव श्री जैन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी कलेक्टरों एवं प्रमुख अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी व्हीसी कक्ष में कलेक्टर ऊषा परमार, पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू, जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी, अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना चैहान सहित

अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुख्य सचिव ने स्कूलों में बालिकाओं के लिए बनाए जा रहे बालिका शौचालयों के निर्माण की प्रगति की जिलेवार समीक्षा करते हुए कहा कि बालिका शौचालयों का निर्माण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जाए तथा यह कार्य मार्च माह के अंत तक पूर्ण हो जाना चाहिए। मुख्य सचिव ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वे क्षतिग्रस्त भवनों की सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ मरम्मत कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि स्कूल भवनों में किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो, यह सभी कलेक्टर सुनिश्चित करें। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में उद्योग विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की जिलेवार समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत लोगों को कुटीर उद्योग स्थापित करने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अधिक से अधिक प्रकरण तैयार कर बैंकों को प्रेषित कराएं तथा हितग्राहियों को बैंकों के माध्यम से ऋण मुहैया कराकर कुटीर उद्योग स्थापित कराने के लिए सतत रूप से प्रोत्साहित करें।

मुख्य सचिव ने कहा कि कलेक्टर्स शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं और लोगों की आमदनी बढ़ाने के सतत प्रयास करें। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं तथा इस योजना के संबंध में किसानों को समुचित जानकारी मुहैया कराएं तथा किसानों को इस योजना से लाभ उठाने के लिए सतत रूप से प्रोत्साहित भी किया जाए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुख्य सचिव ने रूफटॉप सौर योजना की भी जिलेवार समीक्षा की तथा इस योजना की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने, योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा योजना का लाभ लोगों को दिलाने के भी निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टरों को निर्देश दिए कि लोक सेवा प्राधिकरण के तहत लोगों को सहजता से सेवाएं मुहैया कराएं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुख्य सचिव द्वारा अन्य योजनाओं की भी समीक्षा की गई।